MP Board Class 9th Special Hindi Sahayak Vachan Solutions Chapter 11 यशस्वी पत्रकार दादा साहेब आप्टे

बोध प्रश्न

प्रश्न 1.
दादा साहेब आप्टे ने किस समाचार एजेंसी की स्थापना की एवं उसका संचालन किया?
उत्तर:
तमाम भारतीय भाषाओं को एक सूत्र में बाँधने के उद्देश्य से दादा साहेब आप्टे ने सन् 1948 में एक बहुभाषी समाचार एजेंसी 'हिंदुस्तान समाचार' की स्थापना की और सफलतापूर्वक लम्बे समय तक उसका संचालन किया। उनके द्वारा स्थापित यह समाचार एजेंसी आज भी भारतीय पत्रकारिता की सेवा कर रही है।

प्रश्न 2.
दादा साहेब आप्टे का जन्म कहाँ हुआ?
उत्तर:
यशस्वी पत्रकार दादा साहेब आप्टे का जन्म सन् 1905 ई. में गुजरात के बड़ोदरा नामक नगर में हुआ था।

प्रश्न 3.
वकालत करते समय दादा साहेब की मुलाकाल किस महापुरुष से हुई थी?
उत्तर:
अपनी प्रारम्भिक शिक्षा-दीक्षा बड़ोदरा (गुजरात) में पूर्ण कर दादा साहेब आप्टे ने मुम्बई से एल-एल.बी. की परीक्षा उत्तीर्ण की और मुम्बई उच्च न्यायालय में वकालत प्रारम्भ की। इसी दौरान आप्टे की मुलाकात उस समय के जाने-माने अधिवक्ता तथा भारतीय संस्कृति के विद्वान बैरिस्टर कन्हैयालाल माणिक लाल मुंशी से हुई। श्री आप्टे को मुंशी का मार्गदर्शन मिला तो उनकी प्रतिभा को चार चाँद लग गए।

प्रश्न 4.
किसने भारतीय भाषाओं की श्रीवृद्धि के लिए दादा साहेब आप्टे की सराहना की?
उत्तर:
भारतीय भाषाओं को एक सूत्र में पिरोने एवं उनकी श्रीवृद्धि के लिए दादा साहेब आप्टे ने अपना समूचा जीवन लगा दिया। इसके लिए उन्होंने 1948 में पहली स्वदेशी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी 'हिंदुस्तान समाचार' की स्थापना की। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने भारतीय भाषाओं की श्रीवृद्धि के लिए किए जा रहे इस प्रयास की सरहना की। वास्तव में, भारतीय भाषाओं की इस समाचार एजेंसी को स्थापित कर श्री आप्टे. ने राष्ट्रीय एकता और सद्भावना पैदा करने का महत्वपूर्ण काम किया।

प्रश्न 5.
स्वतंत्र भारत की पहली स्वदेशी समाचार एजेंसी कौन-सी थी?
उत्तर:
स्वतंत्र भारत की पहली स्वदेशी समाचार एजेंसी 'हिंदुस्तान समाचार' थी। यशस्वी पत्रकार दादा साहेब आप्टे ने। तमाम भारतीय भाषाओं को एक सूत्र में बाँधने के उद्देश्य से सन् 1948 में इसकी स्थापना की थी।

प्रश्न 6.
दादा साहेब ने पत्रकारिता की परम्पराओं और कार्य पद्धति को सीखने
के लिए कहाँ काम किया?
उत्तर:
दादासाहेब आप्टे को प्रारम्भ से ही लेखन और पत्रकारिता में गहरी रुचि थी। इसलिए वे राष्ट्रसेवा में पत्रकारिता के माध्यम से योगदान करना चाहते थे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारिता की परम्पराओं ओर कार्यपद्धति को सीखने के लिए यूनाइटेड प्रेस ऑफ इण्डिया (यू.पी.आई.) में काम किया। वहाँ अनुभव प्राप्त करने के बाद श्री आप्टे ने 'हिंदुस्तान समाचार' नाम से भारतीय भाषाओं की संवाद समिति गठित की।

प्रश्न 7.
आप्टे जी ने हिंदी के किस प्रख्यात कवि की कृति का मराठी में अनुवाद किया?
उत्तर:
दादा साहेब आप्टे ने हिंदी के प्रख्यात कवि जयशंकर प्रसाद की चर्चित एवं लोकप्रिय कृति 'कामायनी' का मराठी में अनुवाद किया।

प्रश्न 8.
भारतीय संस्कृति और सभ्यता के लिए दादा साहेब ने लगभग कितने देशों की यात्राएँ की?
उत्तर:
भारतीय संस्कृति और सभ्यता के प्रचार के लिए दादा साहेब आप्टे ने विश्व के लगभग 22 देशों की यात्रा की।

प्रश्न 9.
दादासाहेब आप्टे किन-किन भाषाओं के जानकार थे?
उत्तर:
दादा साहेब आप्टे एक यशस्वी यायावर पत्रकार थे। वे हिंदी, मराठी, गुजराती, अंग्रेजी और संस्कृत भाषा पर अपना अधिकार रखते थे।

प्रश्न 10.
दादा साहेब ने महाराष्ट्र के किस संत पर अंग्रेजी में शोध प्रबंध लिखा?
उत्तर:
दादा साहेब आप्टे ने महाराष्ट्र के सामाजिक जीवन में अत्यन्त लोकप्रिय और सम्मानित समर्थ गुरु रामदास के जीवन पर अंग्रेजी में शोध प्रबन्ध लिखकर उनके योगदान से विश्व मानवता को परिचित कराया।

https://www.evidyarthi.in/